

□	1-4	□
---	-----	---

□	42-51	□
---	-------	---

□	5-9	□
---	-----	---

□	52-55	□
---	-------	---

□	10-1	9
---	------	---

□	56-66	□
---	-------	---

□	20	-26
---	----	-----

□	67-80	□
---	-------	---

^[1] John Nolland, *The Gospel of Matthew: a commentary on the Greek text* (Grand Rapids, MI; Carlisle: W.B. Eerdmans; Paternoster Press, 2005), 505.